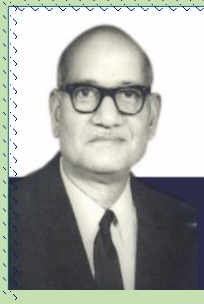

Prof. R. Misra Memorial Lecture

प्रो0 रामदेव मिश्रा व्याख्यानमाला का आयोजन

भारत में पारिस्थितिक तंत्र के जनक प्रोफेसर रामदेव मिश्रा की स्मृति में वर्ष 2020 में शुरू की गयी व्याख्यानमाला श्रृंखला का आयोजन विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी भा0वा0अ0शि0प0 – पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा दिनांक 17.03.2023 को आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता विख्यात पारिस्थितिक वैज्ञानिक डॉ0 जी. सिंह (सेवानिवृत्त), भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्, देहरादून रहे।

केन्द्र प्रमुख डॉ0 संजय सिंह ने मुख्य वक्ता का स्वागत करते हुए प्रो0 रामदेव मिश्रा के पारिस्थितिक तंत्र अनुसंधान में दिए गए योगदान पर चर्चा करते हुए पर्यावरण तंत्र को बनाए रखने के लिए वनस्पतियों की क्रमवार श्रृंखला तैयार करने में उनके सिद्धांतो की सराहना की।

मुख्य वक्ता डॉ0 जी0 सिंह ने मरुस्थल पारिस्थितिक विषय पर चर्चा करते हुए विश्वभर में मरुस्थल की स्थिति और प्रकार से अवगत कराया साथ ही इनके बनने के विभिन्न कारणों पर भी प्रकाश डाला। उन्होने मरुस्थल का पारिस्थितिक तंत्र में प्रभाव पर भी विस्तृत चर्चा किया। वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए मुख्य वक्ता का पूर्ण परिचय प्रस्तुत किया। सभा में उपस्थित प्रतिभागियों ने मुख्य वक्ता द्वारा मरुस्थल पारिस्थितिक विषय पर दिए गए प्रस्तुतीकरण सम्बन्धी जानकारी प्राप्त की।

संगोष्ठी में केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ0 कुमुद दूबे, डॉ0 अनुभा श्रीवास्तव के साथ वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ0 एस0डी0 शुक्ला, रतन गुप्ता तथा अन्य कर्मचारी व विभिन्न शोधछात्र आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंतर्गत नगर के विभिन्न संस्थानों से लगभग 50 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

ICFRE-ECO REHABILITATION CENTRE
3/1, Lajpat Rai Road, New Katra, Prayagraj -211002

LiFE
Lifestyle for Environment
G20
Prof. R. Misra Memorial Lecture
Singh
ICFRE
Date : 17.0
03.00pm to 04:30pm
Venue :
ICFRE-ERC, Prayagraj
ICFRE
REHABILITATION CENTRE
Road, New Katra, Prayagraj -211002

LiFE
Lifestyle for Environment
G20
Prof. R. Misra Memorial Lect
Dr. G. Singh
Scientist-G (Retd.) ICFRE
3.2023 Time : 03.00pm to 04:30pm
Sarswati Hall, ICFRE-ERC, Prayagraj
ECO REHABILITATION CENT
Rai Road, New Katra, Prayagraj -211002
Dr. G. Singh

LiFE
Lifestyle for Environment
G20
आज़ादी का अमृत महोत्सव
Prof. R. Misra Memorial Lecture
G. Singh
Scientist-G (Retd.) ICFRE
Date : 17.03.2023 Time : 03.00pm to 04:30pm
Venue : Sarswati Hall, ICFRE-ERC, Prayagraj
CFRE-ECO REHABILITATION CENTRE
3/1, Lajpat Rai Road, New Katra, Prayagraj -211002

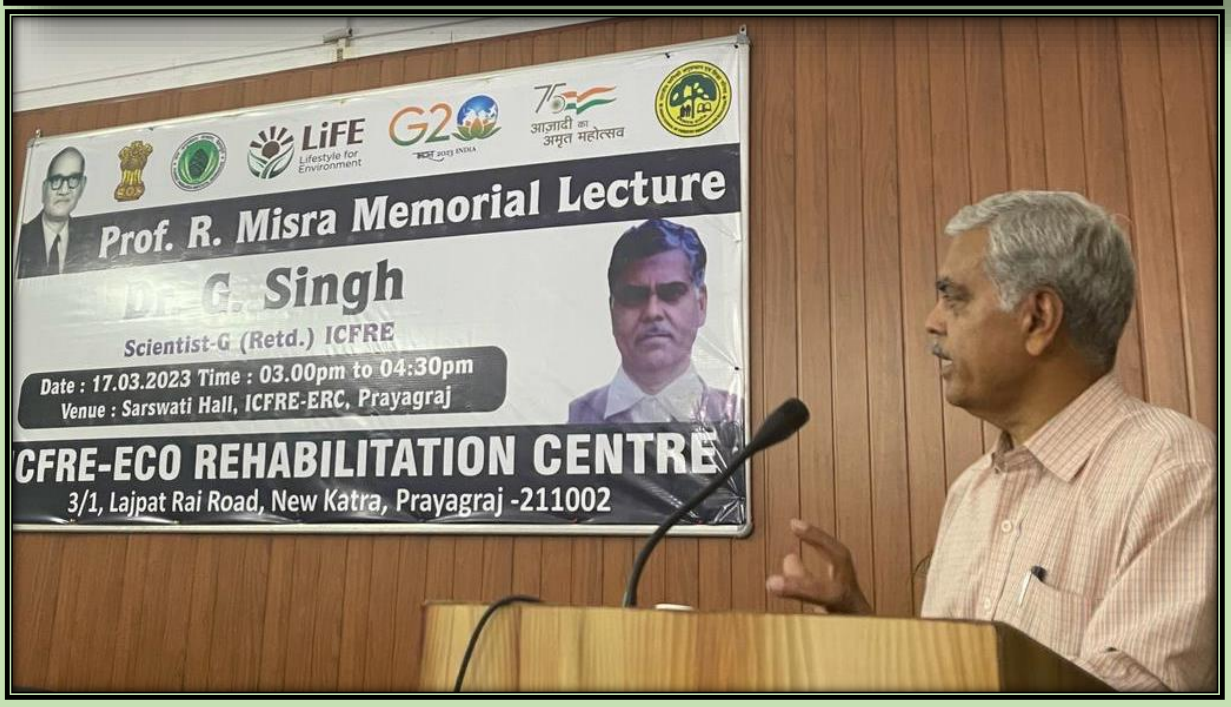

LiFE
Lifestyle for Environment
G20
आज़ादी का अमृत महोत्सव
Prof. R. Misra Memorial Lecture
Dr. G. Singh
Scientist-G (Retd.) ICFRE
Date : 17.03.2023 Time : 03.00pm to 04:30pm
Venue : Sarswati Hall, ICFRE-ERC, Prayagraj
ICFRE-ECO REHABILITATION CENTRE
3/1, Lajpat Rai Road, New Katra, Prayagraj -211002
Sh. Alok Yadav
Dr. Sanjay Singh
Dr. G. Singh

Prof. R. Misra Memorial Lecture
Scientist-G (Retd.) ICFRE
Date : 17.03.2023 Time : 03.00pm to 04:30pm
Venue : Sarswati Hall, ICFRE-ERC, Prayagraj
3/1, Lajpat Rai Road, New Katra, Prayagraj -211002
Dr. G. Singh

ICFRE-ERC
PRAYAGRAJ

LiFE
Lifestyle for Environment
G20
Prof. R. Misra Memorial Lecture
Dr. G. Singh
Scientist-G (Retd.) ICFRE
Date : 17.03.2023 Time : 03.00pm to 04:30pm
Venue : Sarswati Hall, ICFRE-ERC, Prayagraj
ICFRE-ECO REHABILITATION CENTRE
3/1, Lajpat Rai Road, New Katra, Prayagraj -211002
ICFRE-ERC

Welcome

k 18 mar 2023_jan express.pdf

10 @janexpressnews janexpresslive janexpresslive

www.janexpresslive.com/epaper

व्याख्यानमाला में दी गई पारिस्थितिक तंत्र की जानकारी

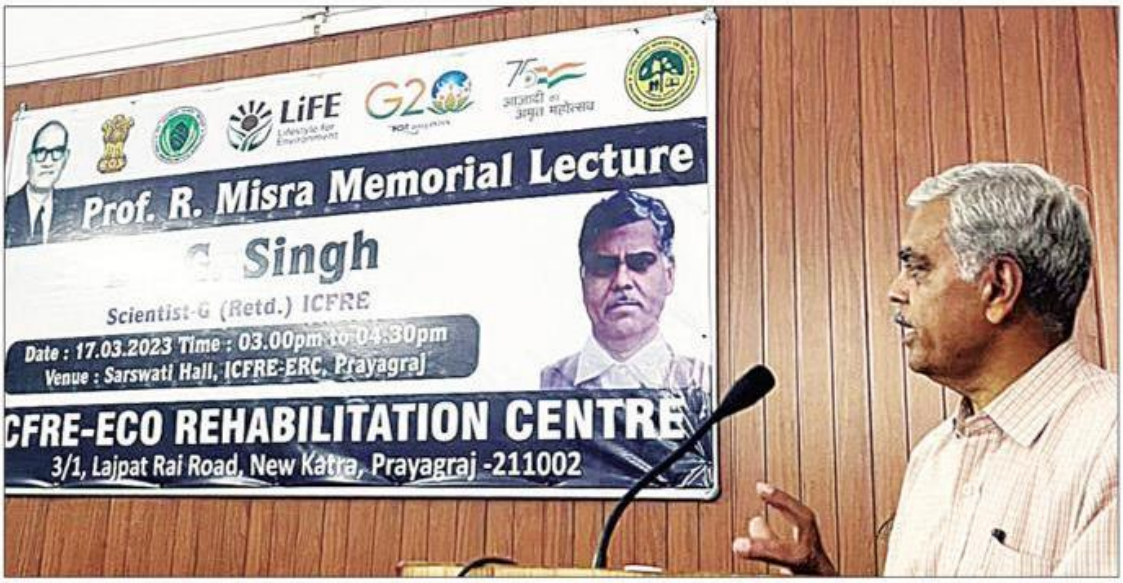

जन एक्सप्रेस । वाराणसी

पारिस्थितिक तंत्र के जनक प्रोफेसर रामदेव मिश्रा की स्मृति में व्याख्यानमाला का आयोजन भा.वा.अ.शि.प.- पारिस्थितिक पुर्नस्थापन केन्द्र में किया गया। इसमें विस्तार से जानकारी दी गई। मुख्य वक्ता पारिस्थितिक वैज्ञानिक डॉ0 जी0 सिंह, सेवानिवृत्त, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार रहे। केन्द्र प्रमुख डॉ0 संजय सिंह ने मुख्य वक्ता का स्वागत करते हुए प्रो0 रामदेव मिश्रा के पारिस्थितिक तंत्र अनुसंधान में दिए गए योगदान पर चर्चा करते हुए पर्यावरण तंत्र को बनाए रखने के लिए वनस्पतियों की क्रमवार श्रृंखला तैयार करने में उनके सिद्धांतो की सराहना की। मुख्य वक्ता डॉ0 जी0 सिंह ने मरुस्थल पारिस्थितिक विषय पर चर्चा करते हुए विश्वभर में मरुस्थल की स्थिति से अवगत कराया। उन्होंने इनके बनने के विभिन्न कारणों पर विस्तार से प्रकाश डाला। मरुस्थल का पारिस्थितिक तंत्र में प्रभाव के बारे में बताया। वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए मुख्य वक्ता का परिचय प्रस्तुत किया। सभा में उपस्थित प्रतिभागियों ने मुख्य वक्ता द्वारा मरुस्थल पारिस्थितिक विषय पर दिए गए प्रस्तुतीकरण सम्बन्धी जानकारी हासिल की।संगोष्ठी में केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ0 कुमुद दूबे, डॉ0 अनुभा श्रीवास्तव के साथ वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ0 एस0डी0 शुक्ला, रतन गुप्ता तथा विभिन्न शोध छात्र उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न संस्थानों से लगभग 50 प्रतिभागी शामिल रहे।

पर्यावरण को वनस्पतियों की तैयार करनी होगी श्रृंखला

- वन अनुसंधान केंद्र में हुई व्याख्यानमाला
- प्रो. रामदेव के योगदान को किया गया याद

प्रयागराज, वरिष्ठ संवाददाता। पारिस्थितिक पुर्नस्थापन केंद्र में शुक्रवार को प्रो. रामदेव मिश्र व्याख्यानमाला का आयोजन हुआ। केंद्र प्रभारी डॉ. संजय सिंह ने कहा कि पर्यावरण नष्ट न हो, इसलिए वनस्पतियों की क्रमवार श्रृंखला तैयार करनी होगी। उन्होंने पारिस्थितिक तंत्र अनुसंधान में प्रो. रामदेव मिश्र के योगदान को याद किया।

डॉ. सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण को बचाने के लिए काम करना होगा। इसके लिए सभी को प्रयास करने की जरूरत है। हमें अपनी शैली में भी बदलाव लाना होगा। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता पर्यावरण एवं वन मंत्रालय से सेवानिवृत्त पारिस्थितिक वैज्ञानिक डॉ. जी सिंह ने मरुस्थल पारिस्थितिक विषय पर विचार रखे। उन्होंने विश्वभर में मरुस्थल की स्थिति और प्रकार के बारे में जानकारी दी। वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव ने कार्यक्रम का संचालन किया। संगोष्ठी में केंद्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कुमुद दूबे, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, तकनीकी अधिकारी डॉ. एसडी शुक्ला, रतन गुप्ता व तमाम शोध छात्र मौजूद रहे।

भारत में पारिस्थितिक तंत्र के जनक हैं प्रो. रामदेव मिश्रा

PRAYAGRAJ (17 March): भारत में पारिस्थितिक तंत्र के जनक प्रो. रामदेव मिश्रा की स्मृति में व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन पारिस्थितिक पुर्नस्थापन केंद्र में किया गया. मुख्य वक्ता पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के पूर्व पारिस्थितिक वैज्ञानिक डा. जी सिंह ने कहा कि प्रो. रामदेव मिश्रा भारत में पारिस्थितिक तंत्र के जनक हैं. उन्होंने मरुस्थल पारिस्थितिक विषय पर चर्चा करते हुए विश्वभर में मरुस्थल की स्थिति और प्रकार से अवगत कराया साथ ही इनके बनने के विभिन्न कारणों पर भी प्रकाश डाला. उन्होंने मरुस्थल का पारिस्थितिक तंत्र में प्रभाव पर भी विस्तृत चर्चा किया.केंद्र प्रमुख डा. संजय सिंह ने मुख्य वक्ता का स्वागत किया.

भारत में पारिस्थितिक तंत्र के जनक हैं प्रो. रामदेव मिश्रा

जासं, प्रयागराज : भारत में पारिस्थितिक तंत्र के जनक प्रो . रामदेव मिश्रा की स्मृति में व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन पारिस्थितिक पुनस् र्थापन केंद्र में किया गया। मुख्य वक्ता पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के पूर्व पारिस्थितिक वैज्ञानिक डा . जी सिंह ने कहा कि प्रो . रामदेव मिश्रा भारत में पारिस्थितिक तंत्र के जनक हैं। केंद्र प्रमुख डा . संजय सिंह ने मुख्य वक्ता का स्वागत किया और प्रो . रामदेव मिश्र के पारिस्थितिक तंत्र अनुसंधान में दिए गए योगदान की सराहना की।